सुश्री वर्तिका शुक्ला
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

भारत सरकार ने विभिन्न ऐतिहासिक पहलें की है जो कि देश के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत ही प्रासांगिक पहलें है। इनमें से अधिकांश पहल ईआईएल के प्रचालन के लिए भी बहुत ही प्रासंगिक पाई गई है। ईआईएल ने वर्ष 1965 में अपनी स्थापना के बाद से ही भारतीय अर्थव्यवस्था के हाइड्रोकार्बन खंड में प्रौद्योगिकी के स्वदेशीकरण पर जोर दिया है और इंजीनियरी के सभी सूक्ष्मांतरों को आत्मसात किया है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत इसकी मानव पूंजी है जो बहुकौशल से सक्षम है। भारत सरकार के अन्य प्रमुख कार्यक्रमों जैसे 'डिजिटल इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रमों सहित 'स्टार्टअप इंडिया' कार्यक्रम के माध्यम से इस जनमानव के हुनर व कौशल तथा हममें से प्रत्येक में निहित नवाचार और सृजनात्मकता का लाभ उठाने का अवसर प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है और राष्ट्र के समक्ष आने वाली विभिन्न चुनौतीपूर्ण समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। हम मानते है कि यह प्रमुख कार्यक्रम 'स्टार्टअप इंडिया' लोकाचार सृजन के अवसर पैदा करता है जिसमें ज्ञान एवं नवाचार को अपनी पूर्ण क्षमता के साथ विकसित होने के लिए पर्याप्त पोषण मिलता है।

"स्टार्टअप इंडिया" पहल प्रक्रियाओं के सरलीकरण, वित्त पोषण सहायता, उद्योग- शैक्षणिक वर्ग भागीदारी और इन्कयूबेशन पर आधारित है। प्रौद्योगिकी समर्थ विचारों हेतु तेल एवं गैस क्षेत्र में अपार क्षमता की पहचान करते हुए और भारत सरकार के विजन के साथ इसकी नीतियों एवं पहलों को संरेखित करते हुए ईआईएल ने वित्त वर्ष 2017-18 से छह वर्षों की अवधि के लिए **EngSUI** पहल के लिए 25 करोड़ के वित्त पोषण के साथ वर्ष 2017 में अपनी **EngSUI** पहल की शुरुआत की थी। **EngSUI** ऊर्जा एवं अन्य संबंधित क्षेत्रों में नए एवं संवर्धित समाधान प्रदान करने के प्रयास पर केंद्रित है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पहल शैक्षणिक समुदाय से उद्योग तक ज्ञान के प्रसार को गति प्रदान करेगी और तेल एवं गैस उद्योग द्वारा अत्याधुनिक तकनीकों को तेजी से आत्मसात करने में सहायता करेगी।

स्टार्टअप उपाय अनुकूल पारिस्थितिक तंत्र के साथ ही पोषित हो सकते हैं। विकास केंद्रों की स्थापना के लिए सरकार का प्रयास, स्टार्टअप को प्रारंभिक अवस्था में अपेक्षित महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए एक गेम चेंजर साबित हो रहा है जो भारत को रोजगार तलाशने वाले के स्थान पर रोजगार देने वाले देश के रूप में बदलेगा।

ईआईएल स्टार्टअप पहल **EngSUI** को तकनीकी निदेशालय के अंतर्गत ईआईएल अनुसंधान एवं विकास प्रभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसने प्रस्ताव पहलों के लिए विभिन्न आईआईटी और एनआईटी के विकास केंद्रों के साथ गठजोड़ किया है। **EngSUI** का चार वर्षों का कार्यकाल ईआईएल के लिए अद्भुत, उत्साहित और बेहद संतोषप्रद अनुभव कराने वाला रहा है। विशेष प्रशंसनीय बात यह है कि **EngSUI** के तहत स्टार्टअप, जिसने वित्त पोषण के पहले चरण में नवाचार चुनौती के तहत अपना प्रोटोटाइप विकसित किया है वह अब नवाचार को व्यावसायिक पैमाने पर बढ़ाने के लिए प्रारंभिक वित्त पोषण की मांग कर रहा है।

इस संदेश के माध्यम से, हम उद्योग सहयोगियों के साथ-साथ सभी से आग्रह करते हैं कि वे आगे आएं और राष्ट्र के लिए उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचार के संवर्धन का जश्न मनाने के लिए इस लक्ष्य में हमारे साथ हाथ मिलाएं। हमारा मानना है कि किसी भी पहल की शुरुआत आसान नहीं होती परंतु प्रेरित नवाचार के माध्यम से सफलता की ऊचाईयों को हासिल करने की खुशी भी आकांक्षा के लिए एक असाधारण लक्ष्य होता है। आइए, हम सब मिलकर इस कार्यक्रम को एक सफल प्रवृत्ति विन्यासक (ट्रेंड सैटर) बनाएं।

जय हिंद, जय ईआईएल !

वर्तिका शुक्ला
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक